BRITISH COLUMBIA | HealthLinkBC

Hindi - Number 104a
May 2021

रोटावायरस वैक्सीन (रोटारिक्स®)
Rotavirus Vaccine (Rotarix®)

अपने बच्चे को सुरक्षित रखें।
सभी वैक्सीनें समय पर लगवाएं।

समय पर सभी वैक्सीनें लगवाने से आपके बच्चे को जीवन भर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है।

टीकाकरण ने पिछले 50 वर्षों में कनाडा में किसी भी अन्य स्वास्थ्य उपाय से अधिक जीवन बचाए हैं।

रोटावायरस वैक्सीन क्या है?

रोटावायरस वैक्सीन बच्चों को रोटावायरस के कारण होने वाले दस्त और उल्टियों से बचाने में मदद करती है। यह अन्य वायरसों के कारण होने वाले दस्त और उल्टियों से बचाव नहीं करती है। वैक्सीन में रोटावायरस का कमजोर रूप होता है जो बीमारी का कारण नहीं बनता है। वैक्सीन को हेल्थ कनाडा द्वारा अनुमोदित किया गया है।

रोटावायरस वैक्सीन आपके बच्चे के नियमित टीकाकरण के हिस्से के रूप में नि: शुल्क प्रदान की जाती है। अपॉइंटमेंट लेने के लिए अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को कॉल करें।

रोटावायरस वैक्सीन किसको दी जानी चाहिए?

रोटावायरस वैक्सीन 2 महीने की उम्र से शुरूआत करके बच्चों को दी जाती है। इसको 2 खुराकों की श्रृंखला के रूप में दिया जाता है। पहली खुराक 2 महीने की उम्र में और दूसरी 4 महीने की उम्र में दी जाती है। रोटावायरस वैक्सीन बचपन के अन्य टीकाकरणों के साथ ही दी जाती है।

रोटावायरस वैक्सीन	टीकाकरण पर बच्चे की उम्र
1ली खुराक	2 महीने
2री खुराक	4 महीने

यह महत्वपूर्ण है कि आपके बच्चे को समय पर रोटावायरस वैक्सीन मिले। वैक्सीन की पहली खुराक 20 सप्ताह की उम्र से पहले और दूसरी खुराक 8 महीने की उम्र तक दी जानी चाहिए। सर्वोत्तम सुरक्षा के लिए वैक्सीन की दो खुराकों की आवश्यकता होती है।

प्राप्त किए गए सभी टीकाकरणों का रिकॉर्ड रखना महत्वपूर्ण है।

रोटावायरस वैक्सीन मुंह से दी जाती है। तरल वैक्सीन की कुछ बूँदें निगलने के लिए आपके बच्चे के मुँह में डाली जाती हैं।

टीकाकरण के बाद कम से कम 10 दिनों के लिए वैक्सीन से वायरस आपके बच्चे के मल में पाया जा सकता है। डायपर बदलने के बाद माता-पिता और देखभाल करने वालों को अपने हाथ अच्छी तरह से धोने चाहिए।

रोटावायरस वैक्सीन के क्या लाभ हैं?

वैक्सीन रोटावायरस बीमारी के 4 में से 3 से अधिक मामलों और अस्पताल में भर्ती होने सहित लगभग सभी गंभीर मामलों को रोकती है। जब आप अपने बच्चे का टीकाकरण करवाते हैं, तो आप दूसरों की भी रक्षा करने में मदद करते हैं।

वैक्सीनों के बाद की संभावित प्रतिक्रियाएं क्या हैं?

वैक्सीनें बहुत सुरक्षित हैं। वैक्सीन प्राप्त करना रोटावायरस संक्रमण से ग्रस्त होने से कहीं अधिक सुरक्षित है।

रोटावायरस वैक्सीन लगवाने के बाद अधिकांश शिशुओं में कोई प्रतिक्रिया नहीं होती है। कुछ को टीकाकरण के बाद दस्त, चिड़चिड़ापन, पेट दर्द, गैस या खुजली वाले दाने हो सकते हैं।

कनाडा के बाहर के कुछ देशों में, रोटावायरस वैक्सीन की पहली खुराक के बाद के सप्ताह में अंत्रावेष्टांश (intussusception - आंत की रुकावट) का बहुत ही दुर्लभ जोखिम देखा गया है। वैक्सीन प्राप्त करने वाले प्रत्येक 100,000 शिशुओं में अंत्रावेष्टांश होने का जोखिम लगभग 1 से 2 मामलों में होता है। अधिकाधिक, यह बी.सी. में एक वर्ष में 1 बच्चे को प्रभावित कर सकता है। तुलना करके, प्रत्येक वर्ष बी.सी. 1 वर्ष से कम आयु के 4,000 में से लगभग 1 बच्चे को वैक्सीन प्राप्त किए बिना ही अंत्रावेष्टांश हो जाता है।

अंत्रावेष्टांश के लक्षणों में सूजा हुआ पेट, बार-बार उल्टी, और खूनी मल शामिल हो सकते हैं। आपका शिशु कमजोर और चिड़चिड़ा लग सकता है और उसे कई बार तीव्र रोना आ सकता है। यदि आपका शिशु ये लक्षण दिखाता है, तो आपको अपने शिशु को नजदीकी आपातकालीन विभाग में ले जाना चाहिए।

किसी भी वैक्सीन को प्राप्त करने के बाद 15 मिनट तक क्लिनिक में रहना महत्वपूर्ण है क्योंकि एनाफिलेक्सिस नामक एक जीवन को खतरे में डालने वाली एलर्जिक प्रतिक्रिया की अत्यंत दुर्लभ, एक मिलियन में से 1 से कम, संभावना हो सकती है। इसमें पित्ती (hives), सांस लेने में कठिनाई या गले, जीभ या होंठ में सूजन शामिल हो सकती हैं। यदि यह प्रतिक्रिया होती है, तो आपका स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता इसका इलाज करने के लिए तैयार है।

आपातकालीन उपचार में एपिनेफ्रीन (एड्रेनालाईन) दिए जाना और एम्बुलेंस द्वारा निकटतम आपातकालीन विभाग में स्थानांतरण शामिल है। यदि लक्षण आपके क्लिनिक से जाने के बाद विकसित होते हैं, तो **9-1-1** या अपने स्थानीय आपातकालीन नंबर को कॉल करें।

बुखार या पीड़ा के लिए एसिटामिनोफेन (उदाहरणार्थ टायलेनॉल®) या इबुप्रोफेन* (उदाहरणार्थ एडविल®) दी जा सकती है। रे सिंड्रोम के जोखिम के कारण ASA (उदाहरणार्थ एस्पिरिन®) 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जानी चाहिए।

*6 महीने से कम उम्र के बच्चों को पहले अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से बात किए बिना इबुप्रोफेन नहीं दी जानी चाहिए।

रे सिंड्रोम के बारे में जानकारी के लिए, HealthLinkBC File #84 रे सिंड्रोम देखें।

रोटावायरस वैक्सीन किसको नहीं दी जानी चाहिए?

अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से बात करें यदि आपके बच्चे:

- को रोटावायरस वैक्सीन की पिछली खुराक या वैक्सीन के किसी भी हिस्से के प्रति जानलेवा प्रतिक्रिया हुई है
- की प्रतिरक्षा प्रणाली रोग या चिकित्सा उपचार से कमजोर है
- का कमजोर प्रतिरक्षा प्रणालियों का पारिवारिक इतिहास है
- को अंत्रावेष्टांश था या आंतों का ऐसा विकार है जिसके परिणामस्वरूप अंत्रावेष्टांश हो सकता है

मध्यम या गंभीर दस्त या उल्टियों या गंभीर बीमारी वाले शिशुओं को तब तक प्रतिरक्षित नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि वे अपनी बीमारी से ठीक नहीं हो जाते। जुकाम या अन्य हल्की बीमारी के कारण टीकाकरण में देरी करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अगर आपको चिंताएं है, तो अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से बात करें।

रोटावायरस क्या है?

रोटावायरस एक वायरस है जो गैस्ट्रोएंटेराइटिस, जिसे कभी-कभी पेट का फ्लू भी कहा जाता है, का कारण बनता है। रोटावायरस 5 साल से कम उम्र के बच्चों में दस्त और दस्त के लिए अस्पताल में भर्ती होने का सबसे आम कारण है। लगभग सभी अप्रतिरक्षित बच्चों को 5 वर्ष की आयु से पहले कम से कम 1 रोटावायरस संक्रमण होगा।

रोटावायरस संक्रमण के पहले लक्षण अक्सर बुखार और उल्टियां होते हैं, इसके बाद दस्त और पेट दर्द होता है। ये लक्षण किसी व्यक्ति के वायरस से संक्रमित होने के 1 से 3 दिन बाद दिखाई देते हैं। दस्त 4 से 8 दिनों तक रह सकते हैं। दस्त या उल्टियां गंभीर होने और अक्सर होने पर छोटे बच्चे निर्जलित हो सकते हैं। अगर इसका इलाज नहीं किया जाता है, तो बच्चे की मौत हो सकती है।

रोटावायरस संक्रमित बच्चे के मल को छूने से आसानी से फैलता है। डायपरों को संभालते समय ऐसा हो सकता है। अपने हाथों को साबुन और पानी से बार-बार धोना रोटावायरस के प्रसार को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है। एक बच्चा जो दस्त या उल्टियों से बीमार है, उसे दस्त या उल्टियां बंद होने के 48 घंटे बाद तक डेकेयर में नहीं जाना चाहिए या अन्य बच्चों के साथ संपर्क नहीं करना चाहिए। हाथ धोने की युक्तियों के लिए, HealthLinkBC फ़ाइल #85 हाथ धोना: रोगाणुओं के प्रसार को रोकने में मदद करें देखें।

BC Centre for Disease Control
Provincial Health Services Authority